

स्तन कैंसर

सर्जरी

नीतु (बदला हुआ नाम), एक 55 वर्षीय बुजुर्ग महीला को स्तन कैंसर के लिए शल्य चिकित्सा कराने की सलाह दी गई थी। वह अपने स्तनों को संरक्षित रखना चाहती है और इस बारे में सुनिश्चित नहीं है कि उसके लिए कौन सा विकल्प सबसे उचित होगा।

वाणी (बदला हुआ नाम), एक 45 वर्षीय महीला है जो स्तन कैंसर से पीड़ित है उसने एक्सिलरी लसीका ग्रंथियों (बगल) के प्रबंधन के लिए कैंसर को तेजी से फैलने से रोकने वाली सर्जिकल प्रक्रियाओं के बारे में सुना है

स्तन कैंसर के इलाज के उद्देश्य क्या हैं

1. स्तन से कैंसर युक्त भाग और कांख में से किसी भी प्रभावित लसीका ग्रंथि को निकालना
2. किसी भी ऐसी कैंसर युक्त कोशिकाओं को नष्ट करना जो रक्त वाहिका या लसीका प्रणाली द्वारा स्तन से शरीर में पहले से फैल गई हो सकती हैं

स्तन कैंसर के इलाज के लिए कौन से साधन उपलब्ध हैं

स्तन कैंसर के इलाज के लिए चार साधन उपलब्ध हैं।

1. सर्जरी
2. कीमोथेरेपी
3. रेडियोथेरेपी
4. हार्मोन थेरेपी

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी रोगियों को कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी या हार्मोन थेरेपी की आवश्यकता नहीं होगी

सर्जरी में क्या किया जाता है

स्तन कैंसर से पीड़ित अधिकांश महीलाओं के लिए आमतौर पर सर्जरी प्रथम उपचार होता है। ट्यूमर का आकार कम करने के लिए, सर्जरी से पहले कुछ महिलाओं की कीमोथेरेपी या हार्मोन थेरेपी की जाती है।

सर्जरी में दो घटक शामिल होते हैं

- A. स्तन की सर्जरी
- B. कांख में लसीका ग्रंथि की सर्जरी

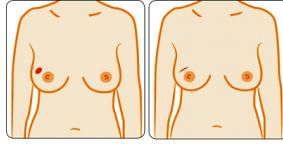
स्तन की सर्जरी

इसके दो विकल्प हैं

स्तन को संरक्षित रखते हुए की जाने वाली सर्जरी

- इसमें वाइड लोकल एक्सिजन का उपयोग किया जाता है (जिसमें ट्यूमर और उसके आस पास के कुछ स्वस्थ ऊतकों को निकाला जाता है)

स्तन को संरक्षित रखते हुए की जाने वाली सर्जरी वाइड लोकल एक्सिजन

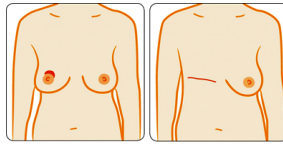


सौजन्य: स्तन कैंसर केयर, ब्रिटेन

मैस्टेक्टॉमी

- इसका अर्थ है कि वक्षग्र सहित स्तन के सभी उतकों को निकाला जाता है

स्तन को निकालना मैस्टेक्टॉमी



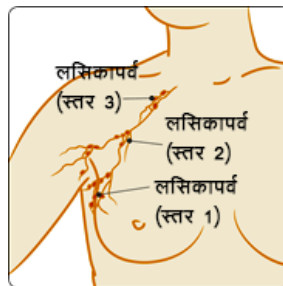
सौजन्य: स्तन कैंसर केयर, ब्रिटेन

ख. कांख में लसिका ग्रंथियों की सर्जरी

विशेषज्ञ के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि क्या कैंसर कांख में लसिका ग्रंथियों तक तो नहीं फैल गया है क्योंकि यह आगे किए जाने वाले उपचार को प्रभावित करेगा।

कैंसर लसिका ग्रंथियों तक तो नहीं फैल गया है इसका पता लगाने के लिए विकल्प निम्न अनुसार हैं .

कांख की लसिका ग्रंथियों को तीन स्तरों में संरक्षित किया जाता है

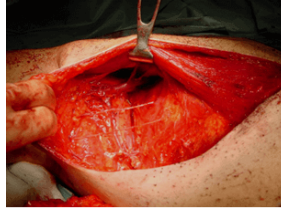


सौजन्य: स्तन कैंसर केयर, ब्रिटेन

1- एक्जिलरी नोड क्लीयरेंस

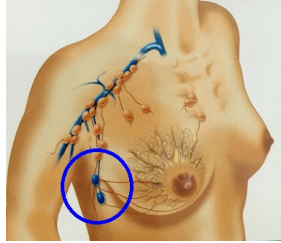
यह एक मानक प्रक्रिया है जिसमें एक्सिला (कांख) से अधिकांश लसिका ग्रंथियों को निकाल दिया जाता है। इसके कारण बहुत अधिक अस्वस्थता होती है और सामान्य दुष्प्रभावों में निम्न शामिल हैं कंधों में जकड़न, बाँह के अंदरूनी भाग में जकड़न, सुन्नता और पिन तथा सुई जैसे चुभन। यह आमतौर पर ऑपरेशन के प्रथम कुछ महीनों बाद होता है। इस बात की भी संभावना है कि बाँह में होने वाली स्थायी सूजन (लिम्फोडेमा) 100 महीलाओं में से 10-20 को प्रभावित कर सकती है (10 ह०श 20%)।

एक्सिलरी नोड क्लीयरेंस



2- सेंटिनेल नोड बायोप्सी (एसएनबी)

सेंटिनेल नोड/नोड्स प्रथम लसीका ग्रंथि/ग्रंथियाँ होती हैं जो स्तन के कैंसर का पता लगाए जाने वाले क्षेत्र से निकलती है/हैं। एक नीली डाई या रेडियोधर्मी तरल पदार्थ या दोनों को स्तन में कैंसर वाले हिस्से में या उसके निकट सुई द्वारा डाला जाता है। डाई या तरल पदार्थ उस पथ से गुजरते हैं जिससे ट्यूमर के सेल्स लसीका ग्रंथियों तक पहुँचते हैं। इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि नीली डाई जिसे पारंपरिक तौर पर रेडियोआइसोटोप के सथ उपयोग किया जाता है ताकि सेंटिनेल नोड/नोड्स की सटीकता में पहचान करने में वृद्धि की जा सके, सामान्य तौर पर गर्भावस्था के दौरान नीली डाई की अनुशंसा नहीं की जाती है।



सेंटिनेल नोड

एसएनबी करने के पीछे सिद्धांत यह है कि यदि सेंटिनेल नोड/नोड्स से कैंसर के सेल साफ हो जाते हैं, तो एक्सिला की अन्य सभी ग्रंथियों को भी साफ हो जाना चाहिए, जिसके कारण बहुत अधिक संख्या में मृत्यु होती है। इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि एसएनबी का गलत ऋणात्मक दर 5-10% है। इसका अर्थ है कि 100 में से 5-10 महिलाओं की अन्य ग्रंथियों में रोग हो सकता है भले ही सेंटिनेल नोड/नोड्स में कैंसर के कोई लक्षण न दिखे हों। दुष्प्रभावों के जोखिम जैसे कि बाँहों में सूजन और बाँहों के आंतरिक हिस्से में परिवर्तक संवेदना एक्सिलरी नोड क्लीयरेंस की तुलना में कम गंभीर होते हैं।

यदि सेंटिनेल नोड/नोड्स में कैंसर के सेल पाए जाते हैं, तो मरीज को शेष लसीका ग्रंथियों का निकालने की आवश्यकता होगी (एक्सिलरी नोड क्लीयरेंस)। दूसरी सर्जरी के बजाय रेडियोथेरेपी कराना संभव है। बहु-विषयक टीम सर्वश्रेष्ठ विकल्प का निर्णय लेगी।